

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
उत्तराखण्ड।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अनुभाग

देहरादून दिनांक : 17 जून, 2016

विषय :- जनपद-टिहरी के विकासखण्ड-थौलधार के ग्राम- पंचायत-बेरगणी के अन्तर्गत राजस्व ग्राम-पाली चैक देवता खाले नामक तोक में मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु धनावंटन विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-348/दो-लेखा-2880/2016-17 दिनांक 10.06.16 के सन्दर्भ में जनपद-टिहरी के विकासखण्ड-थौलधार के ग्राम पंचायत-बेरगणी के अन्तर्गत राजस्व ग्राम-पाली चैक देवता खाले नामक तोक में मिनी स्टेडियम के निर्माण कार्य हेतु ₹ 37.24 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में शासनादेश संख्या-189/VI-2/2016-52(09)15 दिनांक 09.03.16 के द्वारा धनराशि ₹ 10.00 लाख उपलब्ध करा दिये जाने के उपरान्त वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिये अध्यादेश संख्या-उत्तराखण्ड विनियोग (लेखानुदान) अध्यादेश संख्या-02, 2016 दिनांक 21.03.16 के माध्यम से अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-4202 के आयोजनागत पक्ष के संगत मद में प्राविधानित धनराशि में से उपरोक्त निर्माण कार्य की अवशेष धनराशि ₹ 27.24 लाख **अन्तिम किश्त** के रूप में निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का धनावंटन कार्यदायी संस्था के साथ सम्पादित एमओयू में वर्णित समय सारणी के आधार पर किया जाए।
- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 एवं शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 तथा शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रेषित किये जाय तथा समस्त कार्य निर्धारित समय अवधि के भीतर ही पूर्ण किया जाना भी सुनिश्चित किया जायेगा।
- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

1098  
10. अधिप्राप्ति कार्यो हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

11. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।

12. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। कार्य का गुणवत्ता परीक्षण नियोजन विभाग द्वारा चयनित संस्था से कराये जाने हेतु प्रस्ताव समयान्तर्गत नियोजन विभाग को प्रेषित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही की जायेगी।

13. प्रथम चरण के कार्यो हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में करायी गयी डिजाइन/मानक-पूर्णरूप से अथवा आंशित रूप से विषयगत कार्यो हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाय।

14. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिये अध्यादेश संख्या-उत्तराखण्ड विनियोग (लेखानुदान) अध्यादेश संख्या-02, 2016 दिनांक 21.03.16 के माध्यम से अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-03 खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-15-ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम-24-वृहत् निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)  
प्रभारी सचिव

पृष्ठांकन संख्या 349 / VI-2 / 2016-52(09)15, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
4. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
5. निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. मुख्य अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. सहायक अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, टिहरी गढ़वाल।
9. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)  
संयुक्त सचिव